बाल मेला

एक सामुदायिक कार्यक्रम ने नज़रिए को कैसे बदला?

जे विमला

बाल मेला जैसे सामुदायिक कार्यक्रम समुदाय और अभिभावकों को आँगनवाड़ी, विद्यालय के कामों को समझने में मददगार हो सकते हैं। प्रस्तुत लेख दर्शाता है कि चार आँगनवाड़ी केन्द्रों द्वारा मिलकर आयोजित किए गए बाल मेले से समुदाय और अभिभावकों को बच्चों के विकास में आँगनवाड़ी की भूमिका को समझने में मदद मिली। इससे कार्यकर्त्रियों व अभिभावकों के बीच एक विश्वास भी पनपा।

एक सुपरवाइज़र के रूप में आँगनवाड़ियों का दौरा करना मेरे कार्य का सबसे सन्तोषजनक पहलू है। बच्चों के साथ समय बिताना, उनकी बातें सुनना, और उनके सीखने के क्रियाकलापों का अवलोकन करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।

एक सुबह जब एक आँगनवाड़ी में गई, मैंने देखा वहाँ की कार्यकर्त्री चिन्तित लग रही थीं। केन्द्र में बहुत कम बच्चे उपस्थित थे, और यही उनकी चिन्ता का कारण लग रहा था। कुछ चुपचाप चित्र बना रहे थे, और एक बच्चा गुनगुना रहा था। सब कुछ व्यवस्थित लग रहा था, लेकिन कई बच्चों की अनुपस्थिति एक बड़ी समस्या को उजागर कर रही थी। बीमारी, पारिवारिक माहौल, और अभिभावकों का रोज़गार के लिए बाहर जाना, ये सभी अनुपस्थिति के कारण थे। आमतौर पर यही स्थिति दिखाई देती है। कार्यकर्त्री पढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन कई बच्चे सीखने के लिए मौजूद नहीं होते। अनियमित उपस्थिति उनके सीखने और विकास में बाधा डालती है।

चित्र 1: खेल गतिविधियों से बच्चों का जुड़ाव उनके सीखने को मज़ेदार बनाता है

> **बाल मेला की असली शक्ति इसकी पूरे समुदाय को एकजुट करने की क्षमता है।**

कई अभिभावक आँगनवाड़ी में बच्चों की दैनिक उपस्थिति को ज़्यादा महत्त्व नहीं देते, क्योंकि वे मानते हैं कि औपचारिक शिक्षा प्राथमिक विद्यालय से शुरू होती है। कुछ अपने बच्चों को केवल थोड़े समय के लिए ही आँगनवाड़ी भेजते हैं ताकि वे बैठने, निर्देशों का पालन करने तथा बुनियादी स्वच्छता सम्बन्धी आदतें जैसी रोज़मर्रा की दिनचर्या सीख लें। इसके बाद वे उन्हें निजी विद्यालयों में भेज देते हैं। जब हम अभिभावकों के साथ उपस्थिति के बारे में चर्चा करते तो अकसर उनका जवाब होता कि ये अभी छोटे हैं, या फिर यह कि बड़े विद्यार्थी भी तो कक्षा में नहीं जाते हैं। प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा (ईसीई) के बारे में यह ग़लतफ़हमी अभिभावकों की भागीदारी और बच्चों की निरन्तर उपस्थिति में बाधाएँ पैदा करती है।

सरल और प्रभावी समाधान है बाल मेला

इन चुनौतियों से निपटने के लिए, हमने एक सीधा-सादा लेकिन प्रभावशाली समाधान लागू किया—बाल मेला। यह आयोजन समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है। बहुत लम्बे समय से, आँगनवाड़ी केन्द्रों को केवल ऐसे स्थान के रूप में देखा जाता रहा है जहाँ बहुत छोटे बच्चों को उनके अभिभावकों के काम पर जाने के दौरान सुरक्षित देखभाल के लिए छोड़ा जा सके। बाल मेला, अभिभावकों और समुदाय को हमारी गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए आमंत्रित करके इस नज़रिए को बदलता है।

बाल मेले में अपने बच्चों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कामों को देखकर, अभिभावक वास्तव में अधिगम के उस वातावरण की सराहना कर सकते हैं जिसे वे पहले शायद पहचान नहीं पाए। बाल मेले का अनौपचारिक वातावरण खुले संवाद को प्रोत्साहित करता है। इससे हम प्रत्येक गतिविधि का उद्देश्य और बच्चे के विकास में उसके योगदान को समझा सकते हैं। अभिभावकों के साथ यह व्यक्तिगत संवाद औपचारिक बैठकों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी है।

आयोजन से ज़्यादा एक रणनीतिक पहल

हमने तेलंगाना के संगारेड्डी ज़िले के तोगरापल्ली गाँव में अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन टीम के सहयोग से चार आँगनवाड़ियों के साथ मिलकर एक बाल मेले का आयोजन किया। यह आयोजन अभिभावकों में प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा की समझ बढ़ाने और बाल विकास में आँगनवाड़ियों की भूमिका को उजागर करने के उद्देश्य से किया गया था, जिसके केन्द्र में आनन्द था। शुरुआत में, बच्चों को बाल मेले के बारे में कोई अनुभव न होने और कृषि के चरम मौसम में अभिभावकों की उपस्थिति को लेकर कार्यकर्त्रियाँ चिन्तित और थोड़ा झिझकी हुई थीं। लेकिन जब इस आयोजन के सकारात्मक प्रभाव पर चर्चा की गई तो वे प्रेरित हुईं। उन्होंने इसकी तैयारी के लिए पूरी लगन से काम किया।

सभी को एक साथ लाना

बाल मेले की असली शक्ति इसकी पूरे समुदाय को एकजुट करने की क्षमता है। एकजुटता की यह भावना आयोजन की योजना और तैयारी के चरणों में ही दिखाई देने लगी थी। हमारे मार्गदर्शन में चार कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं ने हर एक चीज़ को सावधानीपूर्वक नियोजित किया। अभिभावकों, समुदाय के सदस्यों और स्थानीय वरिष्ठजन से बातचीत करने के लिए हम घर-घर गए और बाल मेला की घोषणाएँ भी कीं।

शुरुआत में, कई अभिभावकों ने कार्यों में व्यस्त होने के कारण कम रुचि दिखाई। लेकिन कार्यकर्त्रियों ने बच्चों को समझाया कि उनके अभिभावकों की उपस्थिति बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कई रणनीतियाँ अपनाई गईं। मसलन, गाँव के व्हाट्सएप ग्रुपों के ज़रिए सन्देश भेजना, व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण बाँटना, और सबसे ज़रूरी बात, बच्चों को अपने अभिभावकों को आमंत्रित करने के लिए प्रोत्साहित करना, आदि।

कार्यकर्त्रियों ने सहयोग और संसाधन के लिए समुदाय के सदस्यों और जनप्रतिनिधियों से भी बातचीत की; इसमें आयोजन स्थल की व्यवस्था, वक्ताओं को निमंत्रण और समुदाय से सामग्री प्राप्त करना शामिल था। यह समुदाय में स्वामित्व की भावना को बढ़ावा देने का एक सचेत प्रयास था जिसमें इस सन्देश पर ज़ोर दिया गया कि यह हमारी आँगनवाड़ी है, और ये हमारे बच्चे हैं। यह तरीक़ा सफ़ल रहा, क्योंकि समुदाय के सदस्यों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और इस आयोजन का सक्रिय रूप से समर्थन किया।

आनन्द और अभिव्यक्ति का दिन है बाल मेला

बाल मेले के दिन अभिभावक और समुदाय के सदस्य गतिविधियों में शामिल हुए। बच्चों ने काफ़ी उत्साह दिखाया। यहाँ तक कि शर्मीले बच्चे भी अपने दोस्तों के साथ इसमें शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था, बच्चों द्वारा कहानी का नाटक के रूप में प्रस्तुतीकरण। उनकी संवाद अदायगी और कहानी को अपने दम पर आगे बढ़ाने की क्षमता ने अभिभावकों को प्रभावित किया। कार्यकर्त्रियों ने बच्चों को कहानी सुनाने, अवधारणात्मक गतिविधियाँ करने, वस्तुओं की गिनती करने जैसी कई गतिविधियों के लिए तैयार किया ताकि अभिभावक समझ सकें कि बच्चे केवल गाने और खेल के अलावा भी बहुत कुछ सीख रहे हैं। प्रत्येक गतिविधि के बाद कार्यकर्त्रियों ने बताया कि इन गतिविधियों से बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में कैसे मदद मिली।

अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ खेल खेलते देखना बहुत उत्साहवर्धक अनुभव रहा। ऐसा नज़ारा रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में कम ही देखने को मिलता है। इस साझे जुड़ाव ने मिलकर सीखने के वातावरण की अवधारणा को और मज़बूत किया। मेले के एक विशेष हिस्से में सन्तुलित आहार और स्वच्छता के महत्त्व को दर्शाया गया, साथ ही सरल प्रदर्शनों के ज़रिए बताया गया कि आँगनवाड़ी में बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य का ध्यान कैसे रखा जाता है।

हमने कुछ माताओं को देखा जो पहले झिझक रही थीं और दूर खड़ी थीं, लेकिन अपने बच्चों का आत्मविश्वास देखकर उन्हें हमारे काम का महत्त्व समझ में आया। अन्ततः एक माँ ने कहा, "मुझे नहीं पता था कि मेरे बच्चे में इतना आत्मविश्वास है। यह उसके लिए बहुत अच्छी बात है।" एक अन्य ने टिप्पणी की, "हमें कभी एहसास नहीं हुआ कि हमारी आँगनवाड़ी सिर्फ़ बच्चों को यहाँ छोड़कर जाने की जगह से कहीं बढ़कर है। आज हमने देखा कि वे कितना कुछ सीख रहे हैं, और आनन्द ले रहे हैं।"

चित्र 2 : बाल मेले में बच्चे झिझक, संकोच तोड़कर गतिविधियों में शामिल होते हैं

> एक पिता ने बताया कि उन्हें लगता था कि आँगनवाड़ी सिर्फ़ एक सुरक्षित जगह है जहाँ वे अपने बच्चे को छोड़कर काम पर जा सकते हैं। लेकिन बाल मेले के ज़रिए वे जान गए कि आँगनवाड़ी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करती है।

इन प्रतिक्रियाओं से साफ़ तौर पर पता चला कि यह कार्यक्रम धारणाओं को बदलने और विश्वास बनाने में सफल रहा। ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधि, मण्डल शिक्षा अधिकारी और प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक भी इसमें शामिल हुए। मण्डल शिक्षा अधिकारी ने कार्यकर्त्रियों द्वारा उपयोग की जाने वाली कम दाम वाली और निःशुल्क शिक्षण सामग्री देखी। उन्होंने कहा कि आँगनवाड़ी के बच्चे प्राथमिक विद्यालय में अन्य बच्चों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र के सभी पात्र बच्चों से नियमित रूप से आँगनवाड़ी आने का आग्रह भी किया।

स्थाई प्रभाव

बाल मेले का सकारात्मक प्रभाव दीर्घकालीन रहा। इस आयोजन में भाग लेने वाली चारों आँगनवाड़ियाँ कई मायनों में मज़बूत हुईं। हमने अपने आगामी दौरों के दौरान स्पष्ट परिणाम देखे। अभिभावकों और कार्यकर्त्रियों के बीच विश्वास का बन्धन मज़बूत हुआ, और बाल मेले के बाद के हफ़्तों में बच्चों की उपस्थिति में भी वृद्धि हुई।

बाल मेले से न केवल बच्चों, अभिभावकों और समुदाय को, बल्कि कार्यकर्त्रियों को भी लाभ हुआ। हमने कार्यकर्त्रियों के बीच बेहतर टीम वर्क देखा, क्योंकि वे विचारों का आदान-प्रदान करने लगी थीं और एक दूसरे के साथ सहयोग करती थीं। इससे आँगनवाड़ियों के बीच मतभेद कम हुए, और गतिविधियों, रिकॉर्ड रखने, और बैठकों के लिए एक साझा दृष्टिकोण बना।

जब कार्यकर्त्रियों से बाल मेले के प्रभावों के बारे में बात की तो उन्होंने कुछ प्रमुख बिन्दुओं पर प्रकाश डाला :

- चारों आँगनवाड़ियों के नामांकन में वृद्धि हुई। बच्चे नियमित रूप से आने लगे और ज़्यादा समय तक रुकने लगे हैं।
- अभिभावक, ईसीसीई दिवस पर मासिक अभिभावक बैठक में भाग लेते हैं, और अपने अनुभव साझा करते हैं।
- कुछ अभिभावक अब अपने बच्चों से रोज़ाना पूछते हैं कि उन्होंने आँगनवाड़ी में क्या किया, और उनकी बातें सुनते हैं।
- अभिभावक सामग्री तैयार करने और विशेष कार्यक्रम आयोजित करने में मदद करते हैं।
- बच्चे केन्द्र में आने के लिए पहले से ज़्यादा उत्साहित लगे। अभिभावक अब बच्चों को रूमाल और पानी की बोतल जैसी ज़रूरी चीज़ें देकर भेजते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे समय पर पहुँचें।
- समुदाय के सदस्यों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, और केन्द्र की ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करनी शुरू कर दी है।

अभिभावकों की प्रतिक्रिया

बाल मेले में शामिल अभिभावकों ने बताया कि वे अपने बच्चों के शुरुआती विकास के लिए आँगनवाड़ी भेजने के महत्त्व को समझने लगे हैं। बाल मेले में भाग लेने वाली एक माँ ने बताया कि कई लोगों ने उन्हें अपने बच्चे को निजी विद्यालय में भेजने का सुझाव दिया था, लेकिन मेले के दौरान कार्यकर्त्रियों द्वारा आयोजित सभी आकर्षक गतिविधियों को देखने के बाद उन्हें बहुत ख़ुशी हुई कि उन्होंने सही चुनाव किया।

दूसरी महत्त्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि जो पिता आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में शामिल नहीं होते थे क्योंकि वे मानते थे कि यह महिलाओं का क्षेत्र है, वे न केवल मेले में आए, बल्कि गतिविधियों में रुचि भी ली। एक पिता ने बताया कि उन्हें लगता था कि आँगनवाड़ी सिर्फ़ एक सुरक्षित जगह है जहाँ वे अपने बच्चे को छोड़कर काम पर जा सकते हैं। लेकिन बाल मेले के ज़रिए वे जान गए कि आँगनवाड़ी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करती है, वह भी उनके अपने समुदाय में ही। वे आमतौर पर अपने शान्त और शर्मीले बच्चों को गतिविधियों में सक्रिय और आत्मविश्वास के साथ भाग लेते देखकर भी आश्चर्यचकित थे।

निष्कर्ष

बाल मेला सभी के लिए एक ऐसा अनुभव था, जिसने उनकी आँखें खोल दीं। सबको पता चला कि आँगनवाड़ी प्रणाली बच्चों के अच्छे विकास में मदद करने का एक बढ़िया तरीक़ा है। इस आयोजन ने यह भी साबित किया कि जीवन की अच्छी शुरुआत के लिए महँगी फ़ीस देने की आवश्यकता नहीं होती; बल्कि इसके लिए ऐसे शिक्षकों की ज़रूरत होती है जो अपने काम के प्रति कटिबद्ध हों। साथ ही, ऐसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता होती है जो खेल पर केन्द्रित हो, तथा एक ऐसा आनन्दमय माहौल निर्मित करे जो बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करे। इस आयोजन ने आँगनवाड़ी को एक साधारण देखभाल केन्द्र से बदलकर एक ऐसा महत्त्वपूर्ण शैक्षिक स्थान बना दिया है जो हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर रहा है।

तालिका 1. बाल मेले से पहले अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन की ईसीई संगारेड्डी टीम की सहायता से कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं द्वारा तैयार किया गया एक विस्तृत कार्यक्रम

समय	गतिविधि	उत्तरदायित्व
9:00–9:30	बच्चों को कार्यक्रम स्थल पर लाना	आँगनवाड़ी सहायिका
9:30–9:45	अभिभावकों को आमंत्रित करना और बच्चों को कार्यक्रम के लिए तैयार करना	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री और सन्दर्भ व्यक्ति
9:45–10:00	बच्चों के साथ स्वतंत्र चित्रकारी	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री
10:00–10:10	प्रारम्भिक टिप्पणी : बाल मेले का परिचय, आयोजन का उद्देश्य और कार्यक्रम का विवरण साझा करना	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / सुपरवाइज़र
10:10–10:40	गीत : भाषा विकास से सम्बन्धित (बच्चे अपने पाठ्यक्रम में से किसी एक गीत को प्रस्तुत करेंगे)	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री
10:40–11:00	बातचीत : भाषा विकास से सम्बन्धित (शिक्षक चित्र पुस्तकों का उपयोग करके बातचीत का नेतृत्व करेंगे)	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री
11:00–11:15	प्रारम्भिक वर्षों में मस्तिष्क के विकास के महत्त्व को समझाना	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / सुपरवाइज़र
11:15–12:00	संज्ञानात्मक विकास से सम्बन्धित गतिविधियाँ : अभिभावक और बच्चे आकृतियों का मिलान संवेदी गतिविधि (आँखों पर पट्टी बाँधना और वस्तुओं को छूकर पहचानना)	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / सन्दर्भ व्यक्ति
12:00–12:30	अभिभावकों के लिए शारीरिक-गत्यात्मक विकास से सम्बन्धित गतिविधियाँ : मोतियों में धागा पिरोना लेसिंग बोर्ड रंग भरना / चित्रकारी	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / सन्दर्भ व्यक्ति
12:15	अभिभावकों की गतिविधि के दौरान बच्चे दोपहर के भोजन के लिए जाएँगे	आँगनवाड़ी सहायिका
12:30–12:50	स्पष्टीकरण : बच्चों को आँगनवाड़ी केन्द्र भेजने में अभिभावकों की भूमिका केन्द्र की गतिविधियों में समुदाय की भागीदारी	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री / सुपरवाइज़र
12:50–1:05	केन्द्र / अपने बच्चों के विकास पर अभिभावकों के विचार सरकारी विद्यालय के शिक्षकों द्वारा अनुभव साझा करना	अभिभावक और प्राथमिक विद्यालय शिक्षक
1:05–1:15	समापन टिप्पणी	आँगनवाड़ी कार्यकर्त्री

आभार : इस लेख को लिखने में अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन की सुजाता रावी के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार।

जे विमला तेलंगाना के संगारेड्डी ज़िले की सदाशिवपेट परियोजना की एक्सटेंशन ऑफ़िसर (सुपरवाइज़र) और प्रमुख मास्टर ट्रेनर हैं। उन्होंने अपने ब्लॉक में सभी क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है। वे आँगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित करती हैं।

सम्पर्क : vimala.tanay@gmail.com